Government Degree College, Madhuban,
Pakridayal, East-Champaran
(B.R.A.B.U. Muzaffarpur)

B.A, Part-I, Hon./Sub.
Subject: Geography, practical

Topic: Topographical Maps

By,
Dr. Md. Jamshed Alam
Assistant Professor

Email ID: Jamshedmit@gmail.com
Whatsapp No.: 9097179092

: Topographical Maps :

स्थलाकृतिक मानचित्र, जिसे सामान्य उपयोग वाले मानचित्रों के नाम से भी जाना जाता है, को आपेक्षिक बृहत मापनी पर बनाया जाता है। इन मानचित्रों में महत्वपूर्ण प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक

लक्षणों, जैसे - उच्चावच, वनस्पति, जलाशय, कृषिगत भूमि, बस्तियों एवं परिवहन तंत्र आदि को प्रदर्शित किया जाता है। ये मानचित्र सभी देशों की राष्ट्रीय मानचित्र संगठनों द्वारा तैयार एवं प्रकाशित किए जाते हैं।

उदाहरण के लिए, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, भारत में पूरे देश के लिए स्थलाकृतिक मानचित्र तैयार करता है। स्थलाकृतिक मानचित्र विभिन्न मापनियों पर मानचित्र श्रृंखला के रूप में तैयार किए जाते हैं। इसलिए दी हुई श्रृंखला के सभी मानचित्रों में एक ही प्रकार के संदर्भ बिंदु, मापनी, प्रक्षेप, रूढ़ चिन्हों तथा रंगों का प्रयोग किया जाता है।

भारत में स्थलाकृतिक मानचित्र दो श्रृंखलाओं में तैयार किए जाते हैं - भारत एवं पड़ोसी देशों की श्रृंखला तथा विश्व के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्रों की श्रृंखला।

- भारत एवं उसके पड़ोसी देशों की

श्रृंखला :— सन 1937 में दिल्ली सर्वेक्षण सम्मेलन होने तक भारत एवं उसके पड़ोसी देशों की श्रृंखला वाले मानचित्रों का निर्माण भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा किया जाता था। उसके बाद पड़ोसी देशों वाले मानचित्रों का निर्माण बंद कर दिया गया तथा भारत का सर्वेक्षण विभाग केवल विश्व के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्रों वाली श्रृंखला के विनिर्देशों के आधार पर भारत के स्थलाकृतिक मानचित्रों का निर्माण एवं प्रकाशन करने लगा है परंतु भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने स्थलाकृतिक मानचित्रों के लिए नयी श्रृंखला के अन्तर्गत छोड़ दी गई भारत और पड़ोसी देशों की श्रृंखला के संख्यात्मक प्रणाली और विन्यास को अभिधारण किया है।

भारत का स्थलाकृतिक मानचित्र 1:10,00,000; 1:2,50,000; 1:1,25 000; 1:50,000 तथा 1:25,000 की मापनी पर तैयार किया जाता है जिसमें अक्षांशीय एवं देशांतरीय मान क्रमशः 4° × 4°, 1° × 1°,

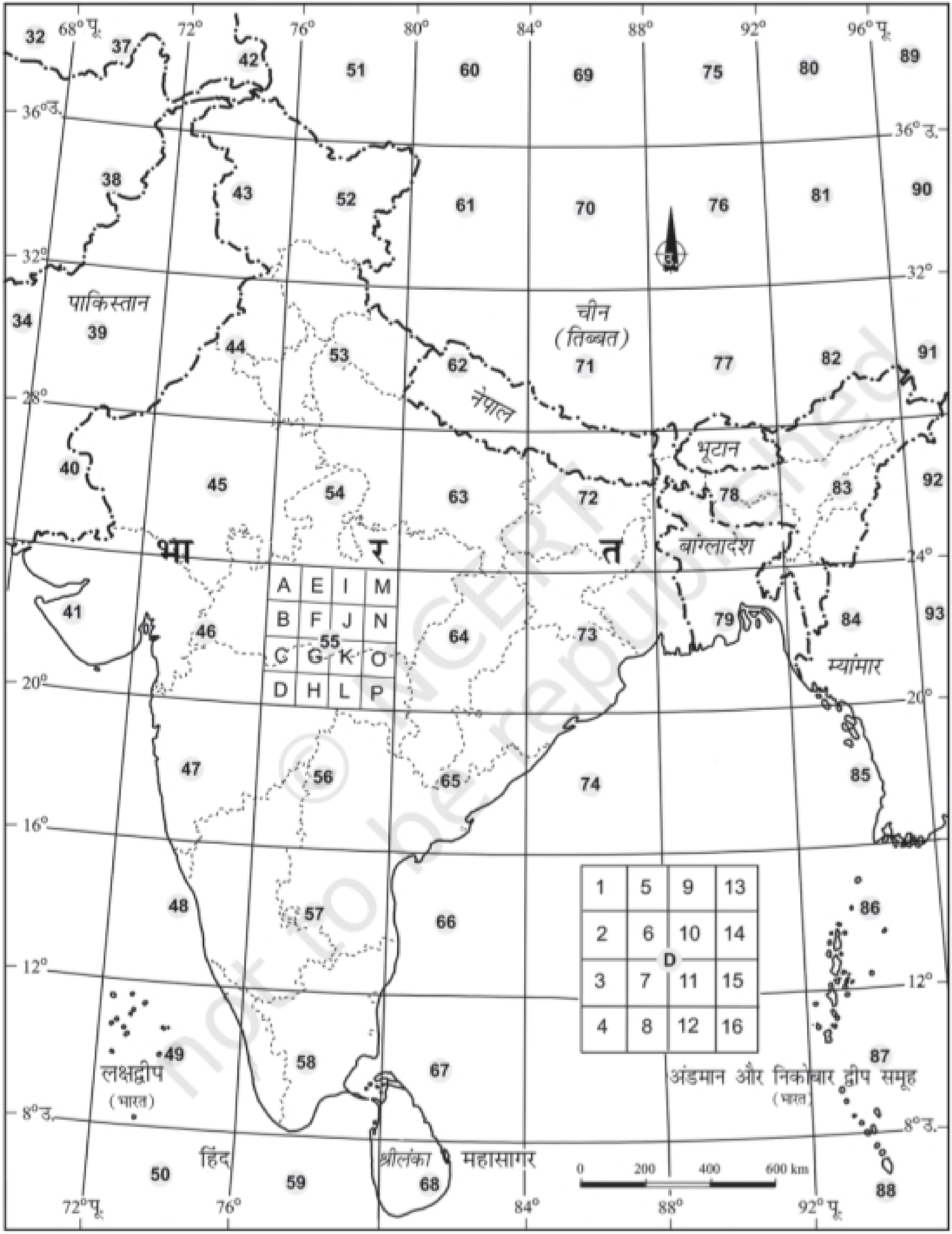

© NCERT
not to be republished

चित्र 5.1 : भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित स्थलाकृतिक शीट का संदर्भ मानचित्र

30'x30', 15'x15' तथा 5' x 7'30''
होते हैं। इनमें से प्रत्येक मानचित्र की संख्यात्मक प्रणाली को चित्र में दिखाया गया है

Next Class

रूढ़ चिन्ह एवं प्रतीक

Md. Jamshed Alam